

बुलेटिन संख्या-५६

दिनांक-मंगलवार, १६ जुलाई, २०१६



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३०.६ एवं २५.० डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ६० सुबह में एवं दोपहर में ७० प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.३ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ४.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.० एवं दोपहर में ३०.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ६५.२ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(१७-२१ जुलाई, २०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १७-२१ जुलाई, २०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों के आसमान में मध्यम बादल छाए रह सकते हैं। अगले ३-४ दिनों के दौरान वर्षा की सक्रियता में कमी के साथ कहीं-कहीं हल्की वर्षा का अनुमान है। तराई जिलों कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।
- अधिकतम तापमान ३५ से ३७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २५ से २७ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- औसतन ५ से १० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ६० से ६५ प्रतिशत तथा दोपहर में ७० से ७५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- विगत पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार में अच्छी वर्षा हुई है। मौसम पूर्वानुमान की अवधि में कहीं-कहीं हल्की वर्षा की संभावना को देखते हुए जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में धान की रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जाँच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नैत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश तथा अगात किस्मों के लिए २५ किलोग्राम नैत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोग्राम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्राम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के २-३ दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (३ लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (१.५ लीटर दवा प्रति हेक्टेर) या पेन्डीमिथेलीन (३ लीटर दवा प्रति हेक्टेर) का ५००-६०० लीटर पानी में घोल बनाकर एक हेक्टेर क्षेत्र में छिड़काव करें। छिड़काव के वक्त खेत में एक से०मी० पानी की उपस्थिति रहनी चाहिए।
- उच्चस जमीन में अरहर की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नैत्रजन, ४५ किलो स्फुर एवं २० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ६, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित हैं। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। पक्त्त से पक्त्त की दूरी ६० से०मी० रखें। बीज दर १८ से २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें।
- वर्तमान मौसम पौधशाला में आद्रगलन (डेम्पिंग ऑफ) रोग के विस्तार के लिए अनुकूल है। यह एक कवक द्वारा फैलने वाला मृदा जनित रोग है, जिसमें पौधशाला के नवजात अंकुरित पौध के तने जड़ के ऊपर भूमि के पास से सड़ जाते हैं और पौध मर जाते हैं। रोग की तीव्रता की स्थिति में रोग ग्रस्त पौध क्यारीयों में गुच्छों में दिखते हैं। कभी-कभी पूरा नर्सरी नष्ट हो जाता है। इस रोग से बचाव हेतु ट्राइकोडरमा से मृदा उपचार कर उपचारित बीज की बुआई करें। सघन बीज नहीं गिरावें, अधिक गहराई में बीज की बुआई नहीं करें। जल निकास की उचित व्यवस्था रखें। पौधशाला में रोग की विस्तार की स्थिति में कॉपर आक्सीक्लोराइड २.५ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर समान रूप से छिड़काव करें।
- प्याज की बीजस्थली में जहाँ बिचड़े १५ से २० दिनों के हो गये हों, में खर-पतवार निकालें। पौधशाला को धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए ४० : छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढकने का कार्य करें। आद्रगलन (डेम्पिंग ऑफ) रोग की नियमित रूप से निगरानी करते रहें।
- किसान भाई अपने पसंद के अनुसार अलग-अलग समय में पकने वाली आम की किस्मों का चयन कर सकते हैं। मई के अन्त से जून माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दशहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिश्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाशंकर, अन्नपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेद्र आम-१, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुशसित हैं। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दुरी १० मीटर, बीजु के लिए १२ मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को २.५ X २.५ मीटर की दूरी पर लगा सकते हैं।
- लीची के लिए, मई के अन्त में पकने वाली किस्में जैसे देशी, शाही, अर्ली वेदाना, देहरारोज, पूर्वी तथा रोज सेण्टेड, जून के आरंभ में पकने वाली किस्में जैसे- कसवा, सबौर वेदाना, चाईना तथा लेट वेदाना, जून के मध्य में पकने वाली किस्में जैसे- कसैलिया, लौंगिया, स्वर्णरुपा, सबौर मधु, सबौर प्रिया आदि हैं। उपजाऊ मिट्टी में १० X १० मीटर की दुरी पर पौधों की रोपाई करें।

आज का अधिकतम तापमान: ३६.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.६ डिग्री सेल्सियस अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: २६.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.५ डिग्री सेल्सियस अधिक